

हिंदी साहित्य

वैकल्पिक 2026

संपूर्ण बैच

लाइव क्लासेज़ & टेस्ट सीरीज़



विकास सिंह



26th Feb' 25



1:00 PM

स्टडी आईक्यू पहली बार यूपीएससी में सर्वाधिक लोकप्रिय व अंकदायी वैकल्पिक विषय- 'हिंदी साहित्य' पर एक कोर्स शुरू कर रहा है। इस कोर्स का उद्देश्य मुख्य परीक्षा के लिए संपूर्ण व व्यापक तैयारी कराना है जिसमें टेस्ट सीटीज़ भी शामिल है।

यूपीएससी मुख्य परीक्षा के अभ्यर्थियों के बीच जो वैकल्पिक विषय सर्वाधिक लोकप्रिय रहे हैं उनमें हिन्दी साहित्य सबसे ऊपर है।

यह एक सरल, सहज व अंकदायी विषय है, जो न केवल मानविकी बल्कि विज्ञान, मैनेजमेंट आदि अन्य पृष्ठभूमि वाले अभ्यर्थियों के बीच भी लोकप्रिय रहा है। इसका चयन हिंदी व अंग्रेज़ी दोनों माध्यम के अभ्यर्थी कर सकते हैं।

हिंदी साहित्य : कुछ विशेषताएँ

01

यूपीएससी में सर्वाधिक लोकप्रिय और अंकदायी विषय।

03

हिंदी से हमारा स्कूल के दिनों से पहिय

02

कवीर, सूर, तुलसी, निराला, पंत, प्रसाद, मैथिलीशरण गुप्त, दिनकर, भारतेन्दु, प्रेमचंद आदि को कौन नहीं जानता?

05

ऐसे टॉपिक जहाँ से प्रश्न आने की सौ फीलदी संभावनाएँ

04

हिंदी और अंग्रेज़ी दोनों माध्यम के अभ्यर्थियों की पसंद

07

अपडेट करने की ज़रूरत नहीं

06

केवल हिंदी में ही लिखना है, अतः अंग्रेज़ी माध्यम से प्रतिस्पर्धा नहीं

08

निबंध के पेपर और उत्तर लेखन-शैली में भी उपयोगी

कोर्स की विशेषताएँ

5 महीनों में लगभग 400+
घंटे के लाइव व्याख्यान

1

उच्च गुणवत्ता वाले व्याख्यान
नोट्स के माध्यम से व्यापक
कवरेज

2

फैकल्टी द्वारा
समर्प्या-समाधान
सत्र

6

हस्तालिखित नोट्स
प्रदान किए जाएंगे

3

5

विशेष वर्षों के प्रश्नों
पर चर्चा और मॉडल
उत्तर उपलब्ध।

4

फैकल्टी के मार्गदर्शन में
लाइव उत्तर-लेखन सत्र



कोर्स प्लान

प्रश्नपत्र - I (खंड-क)
 हिंदी भाषा और नागरी लिपि का इतिहास
 (कुल घंटे = 50)

दिनांक	विषय	समय
26th Feb	Orientation	
27th Feb:	नाटक और रंगमंच <ul style="list-style-type: none"> हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास प्रमुख नाटककार : भारतेन्दु, जयशंकर प्रसाद, जगदीश चंद्र माथुर, रामकुमार शर्मा, मोहन राकेश। हिन्दी रंगमंच का विकास। 	8 H
7th Mar'	आलोचना : <ul style="list-style-type: none"> हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास- सैद्धांतिक, व्यावहारिक, प्रगतिवादी, मनोविज्ञानवादी आलोचना और नई समीक्षा। प्रमुख आलोचक - रामचन्द्र थुक्कल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा और नगेन्द्र। 	8 H
19 March :	हिन्दी गद्य की अन्य विधाएँ: <ul style="list-style-type: none"> ललित निबंध, टेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा वृत्तान्त। 	20 H
28 March :	मध्यकालीन कवि <ul style="list-style-type: none"> कबीर : कबीर ग्रंथावली (आठभिंव 100 पद) सूरदास : श्रमरागीत सार (आठभिंव 100 पद) तुलसीदास : रामचरित मानस (सुंदर काण्ड), कवितावली (उत्तर काण्ड) जायसी : पदमावत (सिंहलद्वीप खंड और नागमती वियोग खंड) बिहारी : बिहारी रत्नाकर (आठभिंव 100 दोहे) 	8 H

प्रश्नपत्र - II (खंड-ख)

हिंदी गद्य साहित्य

(कुल घंटे = 122)

विषय

दिनांक

6 April :

आधुनिक कवि

- मैथिलीशरण गुप्त : भारत- भारती
- जयरामकर प्रसाद : कामायनी (चिंता और श्रद्धा सर्ग)
- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' : राग-विराग (राम की शक्ति पूजा और कुकुरमुत्ता)

25 H

13 April :

आधुनिक कवि

- रामधारी सिंह 'दिनकर' : कुरुक्षेत्र
- अज्ञेय : आंगन के पार द्वार (असाध्यवीणा)
- मुक्ति बोध : ब्रह्मराक्षस
- नागार्जुन : बादल को घिरते देखा है, अकाल और उसके बाद, हरिजन गाथा।

8 H

19 April :

हिंदी उपन्यास

- प्रेमचंद : गोदान
- यशपाल: दिव्या
- फणीश्वरनाथ रेणु : मैला आंचल
- मन्नू भण्डारी : महाभोज

20 H

25 April :

हिंदी नाटक

- भारतेन्दु : भारत दुर्दशा
- मोहन राकेश : आषाढ़ का एक दिन
- जयरामकर प्रसाद : स्कंदगुप्त

10 H

प्रश्नपत्र - II (खंड-ख)

हिंदी गद्य साहित्य

(कुल घंटे = 122)

दिनांक

विषय

समय

4 May :

हिंदी कहानी

- ‘प्रेमचंद’ की सवयश्रेष्ठ कहानियाँ
- राजेन्द्र यादव (सं.) : एक दुनिया समानान्तर

7 H

13 May :

हिंदी निबंध

- रामचंद्र शुक्ल : चिंतामणि: कविता क्या है?/ श्रद्धा-भक्ति)
- निबंध निलय : संपादक : डॉ. सत्येन्द्र

6 H

22 May :

- व्याख्या खंड (पद्य एवं गद्य)

8 H

3 June :

प्रारंभिक हिंदी

- अपब्रंश, अवहृत और प्रारंभिक हिन्दी का व्याकरणिक
- तथा अनुप्रयुक्त स्वरूप।

40 H



प्रश्नपत्र - II (खंड-ख)
हिंदी गद्य साहित्य
(कुल घंटे = 122)

दिनांक	विषय	समय
17 June :	मध्यकालीन हिंदी <ul style="list-style-type: none"> मध्यकाल में ब्रज और अवधी का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास। सिद्ध, नाथ, खुसरो, संत साहित्य, रहीम आदि कवियों और दक्खिनी हिन्दी में खड़ी बोली का प्रारंभिक रूपरूप। 	50 H
2 July :	आदिकाल: <ul style="list-style-type: none"> सिद्ध, नाथ और रामो साहित्य। प्रमुख कवि: चंदबरदाई, खुसरो, हेमचन्द्र, विद्यापति। 	40 H
20 July :	भक्ति काल: <ul style="list-style-type: none"> संत काव्य धारा, सूफी काव्यधारा, कृष्ण भक्तिधारा और राम भक्तिधारा। प्रमुख कवि : कबीर, जायसी, सूर और तुलसी। 	25 H
5 Aug. :	तीतिकाल: <ul style="list-style-type: none"> तीतिकाव्य, तीतिबद्ध काव्य, तीतिमुक्त काव्य प्रमुख कवि : केशव, बिहारी, पदमाकर और घनानंद। 	20 H
16 Aug. :	आधुनिक काल: <ul style="list-style-type: none"> नवजागरण, गद्य का विकास, भारतेन्दु मंडल (ख) प्रमुख लेखक : भारतेन्दु, बाल कृष्ण भट्ट और प्रताप नारायण मिश्र। आधुनिक हिन्दी कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ। छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, नवगीत, समकालीन कविता और जनवादी कविता। 	10 H

प्रश्नपत्र - II (खंड-क)
हिंदी गद्य साहित्य
(कुल घंटे = 100)

दिनांक

विषय

समय

26 Aug :

प्रमुख कवि:

- मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, सूर्यकान्त
त्रिपाठी 'निराला', महादेवी वर्मा, रामधारी सिंह
'दिनकर', सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन
'अज्ञेय', गजानन माधव मुक्तिबोध, नागार्जुन।

5 H

6 Sept :

आधुनिक हिंदी

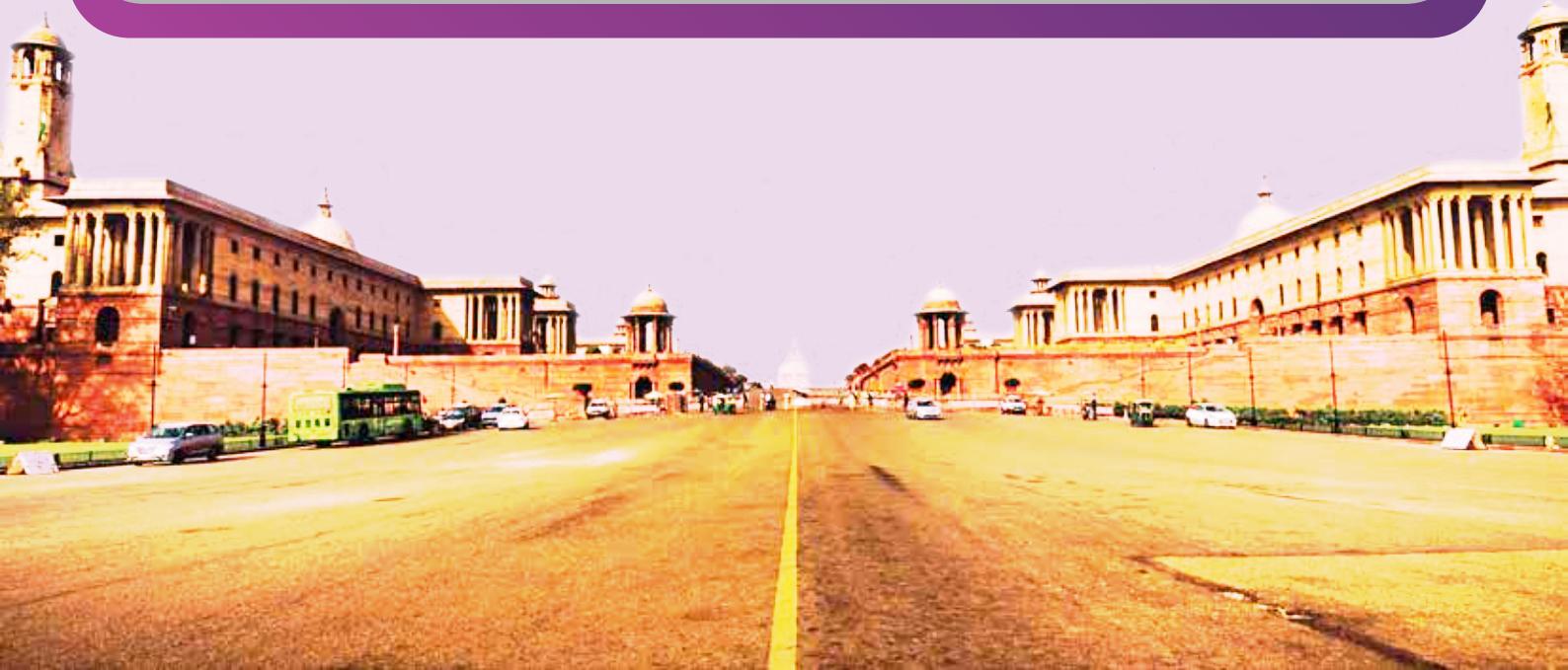
- उन्नीसवीं शताब्दी में खड़ी बोली का विकास।
- स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान राष्ट्र भाषा के रूप में और
- भारतीय संघ की राजभाषा के रूप में हिन्दी का विकास।
- हिन्दी की प्रमुख बोलियाँ और उनका परस्पर संबंध।
- हिन्दी भाषा का वैज्ञानिक और तकनीकी विकास।
- मानक हिन्दी का रूप।
- हिंदी भाषा का मानकीकरण
- मानक हिन्दी की व्याकरणिक संरचना।

8 H



प्रश्नपत्र - II (खंड-ख)
हिंदी गद्य साहित्य
(कुल घंटे = 100)

दिनांक	विषय	समय
25 Sept :	देवनागरी लिपि <ul style="list-style-type: none"> उन्नीसवीं शताब्दी में नागरी लिपि का विकास। नागरी लिपि की प्रमुख विशेषताएँ और उसके सुधार के प्रयास नागरी लिपि का मानकीकरण 	8 H
5 Oct :	हिन्दी साहित्य का इतिहास-लेखन <ul style="list-style-type: none"> हिन्दी साहित्य की प्रासंगिकता और महत्त्व हिन्दी साहित्य के इतिहास-लेखन की परम्परा। 	20 H
17 Oct :	कथा साहित्य: <ul style="list-style-type: none"> उपन्यास और यथार्थवाद हिन्दी उपन्यासों का उद्भव और विकास प्रमुख उपन्यासकार : प्रेमचन्द, जैनेन्द्र, यशपाल, रेणु और भीष्म साहनी। हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास। प्रमुख कहानीकार : प्रेमचन्द, जयरामकर प्रसाद, सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्यायन 'अज्ञेय', मोहन राकेश और कृष्णा सोबती। 	14 H



कोर्स की विशेषताएँ

01

कुल 12 टेस्ट होंगे।

02

8 टेस्ट अलग-अलग खंडों से और 4 टेस्ट सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित।

03

प्रश्नों की संतरचना और मूल्यांकन यूपीएससी के पैटर्न पर। प्रश्नों का उत्तर गहरी समझ और ज्ञान पर आधारित।

04

उत्तर अपलोड करने के 4-5 दिनों के भीतर टेस्ट का मूल्यांकन।

05

प्रत्येक टेस्ट पर समग्र चर्चा और विश्लेषण की सुविधा उपलब्ध।

06

विंगत वर्षों के प्रश्नों का भी व्यापक रूप से कवरेज और विश्लेषण।

कृपया ध्यान दें कि परीक्षणों की तारीखें अस्थायी हैं और भिन्न हो सकती हैं

Price: ~~₹42,999~~
₹23,999

Enrol Now



76-4000-3000

contact@studyiq.com

